

असाधारण EXTRAORDINARY

भाग II—सण्ड ३—उप-षण्ड (i) PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

vio 119] No. 119] नई विल्ली, सोमवार, मप्रैल 16, 1984/चैत्र 27, 1906 NEW DELHI, MONDAY, APRIL 16, 1984/CHAITRA 27, 1906

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह अलग संकलम के रूप में रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compliation

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय

(विज्ञायी विमाग)

नई दिल्ली, 16 भन्नेल, 1984

श्रुविस्थना

सार्कार्शिक 289(अ).---राष्ट्रपति द्वारा शियागया निम्नलिखित भादेश सर्वसाधारण की जानकारी के लिए प्रकाशित कियाजाता है:---

"सं॰ धार**ः** 119 ं

संविधान (राजस्व वितरण) सं० 2 ग्रादेण, 1984

राष्ट्रपति, सविधान के भ्रतृष्ठिव 270 भीर 275 द्वारा प्रवत्त मिक्तयों क. प्रयोग करते हुए, वित्त भ्रायोग की सिकारिमों पर विचार करने के पश्चातें निम्निसियत भ्रादेश करते हैं, भ्रयति :—

- 1. इस आवेश का संक्षिप्त नाम संविद्यान (राजस्व वितरण) सं० 2 आवेश, 1984 है।
- 2. साधारण खण्ड प्रधिनियम, 1897 (1897 का 10) इस आदेश के निर्वाचन के लिए उसी प्रकार लागृ होगा जिस प्रकार वह कि केन्द्रीय प्रधिनियम के निर्वाचन के लिए लागृ होता है।
- 3. (1) मनुष्छेंब 270 के खंड (2) के प्रयोजनों के लिए माय पर करों के उतने शुद्ध मागमों का, जितने संय की उपलक्षियों के संबंध में संदेय करों के गुद्ध मागम नहीं है, 2.19 प्रतिणत, 1 मग्रैल, 1984

से प्रारम्भ होने वाले थिलीय वर्ष के लिए संघ राज्य क्षेत्रों से प्राप्त हुए मागम माने जाएंगे।

(2) 1 प्रप्रैल, 1984 को प्रारम्भ होने वाले बिस्तीय वर्ष में उक्त खण्ड के प्राप्तीन राज्यों की सींपा जाने वाला प्राप्त पर करों के मुख्य प्राप्तमों का प्रतिभात, वहां तक के सिवाय जहां तक वे प्राप्त संब राज्य क्षेत्रों से या संघ की उपलिश्वयों के संबंध में संबंध करों से प्राप्त हुए आगम माने जा सकते हैं, पक्तासी प्रतिभात होगा और इस प्रकार सींपी आमें वाली कुल रकम राज्यों में निम्नलिखित वप में वितरित की जाएगी:

राज्य 1	प्रतिशत 2
प्रसम	2.522
<u>चिहार</u>	9,540
गुजरा त	5.959
हरियाणा	1.819
हिमाचल प्रदेश	0.595
जम्मू-कश्मीर	0.818
कर्नाटक	5.442
केरल	3.950
मध्य प्रदेश	7.356
महाराष्ट्र	10.953

1	2
भणिपुर	0, 188
भेषालय	0.178
नागालैण्ड	0.085
उ षीसा	3,739
पंजाब	2.714
राजस्थान	4.364
तमिलना•्	8.050
बिपुरा	0.258
उस्तर प्रवेश	15.429
पण्चिमी वंगाल	8.018

4. (1) प्रमुख्छेय 275 को खंण्ड (1) के उपनेशों के प्रमुसार नीचे विनिर्दिट प्रस्पेक्ष राज्य के राजस्य के सहायक्षा प्रमुदान के रूप में, उसके कामने उस वर्ष के लिए विनिर्दिट राशियां 1 प्रप्रैल, 1984 से मारम्भ होने वाले विस्तीय वर्ष में भारत की संचित निधि पर भारित हाँगी।

राज्य	करोड़ रुपए में
मस्म	38, 17
हिमाचल प्रदेश	91.15
जम्मू-कथमीर	114.85
मणिपुर	56.08
मे चाल्य	40.27
नागालैण्ड	81.12
सिषिकम	11.96
विपुरा	53.34
पिषमी बंगाल	7.89

- (2) उप-पैना (1) के घ्रधीन राज्यों को संदेय कोई राणि या राणियां उस राणि या राणियों के घ्रतिस्कित होगी या होंगी जो ध्रन ज्छेद 275 के खंड (1) के प्रत्येक परन्तुक के घ्रधीन राज्यों को संदेय हों।
- 5. संविधान (राजस्व बितरण) भादेश, 1979, 1 श्रप्रैल, 1984 से निरुश्तिपश्चित हो जाएगा।

जैल सिंह राष्ट्रपति'' [फा॰ 19(3) 84-एल-I] रु॰ वेंकट सूर्य पेरिणास्त्री, सचिब

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS (Legislative Department)

NOTIFICATION

New Delbi, the 16th April, 1984

G.S.R. 289(P).—The following Order made by the President is published for general information:—

"C.O. 119

THE CONSTITUTION (DISTRIBUTION OF REVENUES) No. 2 ORDER, 1984

In exercise of the powers conferred by articles 270 and 275 of the Constitution, the President, after having considered the recommendations of the Finance Commission, hereby makes the following Order, namely :---

- 1. This Order may be called the Constitution (Distribution of Revenues) No. 2 Order, 1984.
- 2. The General Clauses Act, 1897 (10 of 1897), shall apply for the interpretation of this Order as it applies for the interpretation of a Central Act.

- 3. (1) For the purposes of clause (2) of article 270, 2.19 per cent., of so much of net proceeds of taxes on income as does not represent the net proceeds of taxes payable in respect of Union emoluments shall represent the proceeds attributable to Union territories for the day of April, 1984.
- (2) The percentage of the net proceeds of the taxes on income, except in so far as those proceeds represent proceeds attributable to Union territories or to taxes payable in respect of Union emoluments, which is to be assigned to the States under the said clause in the financial year commencing on the 1st day of April, 1984 shall be eightyfive per cent; and the total amount to be so assigned shall be distributed among the States as follows:—

State	Porcenta ge
Andhra Pradesh	8.023
Assam	2,522
Bihar	9,540
Gujarat	5.959
Нагуапа	1.819
Himachal Pradesh	0.595
Jammu and Kashmir	0.818
Karnataka	5.41
Kerala	3,95)
Madhya Pradesh	7,356
Maharashtra	10.953
Manipur	0 188
Meghalaya	0, 178
Nagaland	0.085
Orissa	3,739
Punjab	2,714
Rajasthan	4,354
Tamil Nadu	8,050
Tripura	0.258
Uttar Pradesh	15,429
West Bonal	8,018

4.(1) In accordance with the provisions of clause (1) of article 275, there shall be charged on the Consolidated Fund of India, in the financial year commencing on the 1st 1sy of April, 1984 as grants-in-aid of the revenues of each of the States specified below, the sums specified against it for that year: —

State	Rupees in crores
Assam	38.17
Himachal Pradesh	91.15
Jammu and Kashmir	114.85
Manipur	56.08
Meghalaya	49.27
Nagaland	81.12
Sikkim	11.96
Tripara	53.34
West Bengal	7.89

- (2) A my sum or sums payable under sub-paragraph (1) shall be in addition to any sum or sums payable to the States under each of the provisors to clause (1) of article 275.
- 5. The Constitution (Distribution of Revenues) Order, 1979, shall, as from the 1st day of April, 1984, stand repealed.

ZAIL SINGH, President." [F. 19(3)/84-L.f] R.V.S. PERI SASTRI, Secy